आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 341 | उज्जैन, शनिवार 01 नवम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों को दी राज्य के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

विकास की 70 साल की लंबी यात्रा आत्मनिर्भर, समृद्ध और सशक्त बनता मध्यप्रदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को मध्यप्रदेश के 70 वें स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब 70 साल का हो गया है। अपनी गौरवशाली विकास यात्रा का 70वां स्थापना दिवस मना रहा है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1956 को गठित यह राज्य न केवल भारत के हृदय में स्थित है, बल्कि देश के विकास मानचित्र पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की यह 70 वर्षीय यात्रा समर्पण, संकल्प और सतत् विकास की सुखद यात्रा रही है। यह दिन हमें हमारे पूर्वजों की मेहनत, उनके जज?बे, जनभागीदारी से विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी एवं हम सभी की आस्था और निष्ठा की याद दिलाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते सात दशकों में मध्यप्रदेश ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कभी ÷बीमारू÷ कहे जाने वाले इस राज्य ने आज कृषि, सिंचाई, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। हमारा मध्यप्रदेश आज देश का ÷फूड बास्केट÷ कहलाता है, जहां अन्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता के साथ ही किसानों की आय दोगुनी करने की दिशा में अनेक योजनाएं सफलतापूर्वक लागू की गई हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन और लाड़ली लक्ष्मी योजना जैसी योजनाएं महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन गई हैं। युवाओं के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और स्टार्टअप मध्यप्रदेश जैसे कार्यक्रम रोजगार और नवाचार के नए द्वार खोल रहे हैं। वहीं प्रदेश में सुशासन एवं नवाचारों ने शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश अब ÷विकसित भारत ञ्च 2047 के विज़न और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। स्मार्ट शहरों, हरित ऊर्जा, जल संरक्षण, डिजिटल गवर्नेंस और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में तेज गति से काम हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आत्मसात करते हुए मध्यप्रदेश आज एक आत्मनिर्भर प्रदेश के रूप में उभर रहा है।

10 साल पहले चित्तूर की मेयर और उनके पति की हुई थी हत्या, अब आंध्र कोर्ट ने 5 लोगों को सुनाई मौत की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश की सत्र अदालत ने शुक्रवार (31 अक्टूबर, 2025) को चित्तूर की मेयर कटारी अनुराधा और उनके पति की हत्या के दोषी 5 लोगों को मौत की सजा सुनाई है। जज एन श्रीनिवास राव ने सेक्शन 302 के तहत फैसला सुनाया और इस जुर्म को दुर्लभतम श्रेणी का बताया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोर्ट ने 2015 में चित्तूर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफिस के अंदर कटारी अनुराधा और उनके पति कटारी मोहन की हत्या के लिए आरोपी चंद्रशेखर, जीएस वेंकटचलपति, जयप्रकाश रेड्डी, मंजूनाथ और वेंकटेश को मौत की सजा सुनाई। उन्होंने बताया कि नवंबर 2015 में हुए हथियारबंद हमले में चंद्रशेखर मुख्य आरोपी था।

चाकू और खंजर से किया था हमला- वे बुर्का पहनकर आए थे और उन्होंने दंपति पर चाकू और खंजर से हमला किया और फिर कटरी अनुराधा की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने कहा था कि यह हमला पारिवारिक विवाद के बाद किया गया था। फैसले से पहले पुलिस ने खास सुरक्षा इंतजाम किए थे। उन्होंने सिर्फ कोर्ट के स्टाफ को ही अंदर आने दिया और सार्वजनिक समारोह, रैलियों या अन्य किसी भी तरह के समारोह पर रोक लगा दी थी।

बेंगलुरुः सड़क पर फेंका तो कुछ ही देर में घर के सामने रखा मिलेगा कचरा, जुर्माना भी लगेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (और बेंगलुरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड ने शहर को साफ-सूथरा बनाने के लिए अजीबोगरीब मुहिम की शुरुआत की है। इस मुहिम के तहत कचरा उठाने की बजाय डोर-टू-डोर फेंका जा रहा है। अब आप सोच रहे होंगे कि ये कौन सा सफाई अभियान है, जिसमें कचरा फेंका जा रहा है।

दरअसल, शहर को साफ रखने के लिए जीबीए द्वारा कचरा डंपिंग महोत्सव की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत जो लोग शहर को गंदा कर रहे हैं। यानी कचरे को सड़क पर ही फेंक दे रहे हैं, उन्हें चेतावनी दी गई है। अगर आप सड़क पर कचरा फेंकते हैं, तो ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी उसे वापस आपके घर फेंक देगी।

क्या बोले अधिकारी- एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी करिगौड़ा ने कहा कि बेंगलुरु में हमारे पास लगभग 5,000 ऑटो हैं जो घरों में जाकर सूखा और गीला कचरा इकठ्ठा करते हैं। इसके बावजूद कुछ लोग सड़कों पर कचरा फेंकते हैं।

वो सो रहे हैं, आने दीजिये हम निपट लेंगे...; आवारा कुत्तों के मामले में किस पर भड़का सुप्रीम कोर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के इस निवेदन को मानने से मना कर दिया कि पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर बाकी राज्यों के मुख्य सचिवों को आवारा कुत्तों के मामले में 3 नवंबर को कोर्ट के सामने वर्चुअली पेश होने की इजाजत दी जाए।

मेहता ने जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच के सामने यह मामला उठाया, जिसने यह साफ कर दिया कि मुख्य सचिव को 3 नवंबर को कोर्ट के सामने खुद पेश होना होगा। जस्टिस नाथ ने कहा, जब हम चाहते हैं कि वे आकर अनुपालन हलफनामा दायर करें, वे बस सो रहे हैं। कोर्ट के आदेश का कोई सम्मान नहीं है तो ठीक है, उन्हें आने दो।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या निर्देश दिया था- 27 अक्टूबर को आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को 3 नवंबर को कोर्ट के सामने पेश होकर यह बताने का निर्देश दिया था कि कोर्ट के 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों फाइल नहीं किए गए। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के मामले का दायरा दिल्ली-एनसीआर के दायरे से बाहर कर दिया और निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इस मामले में पार्टी बनाया जाए। कोर्ट ने नगर निगम अधिकारियों को पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के पालन के लिए आज की तारीख तक उपलब्ध डॉग पाउंड, जानवरों के डॉक्टरों, कुत्ते पकड़ने वाले कर्मचारियों, और खास तौर पर मॉडिफाइड गाड़ियों और पिंजरों जैसे रिसोर्स के पूरे स्टैटिस्टिक्स के साथ पालन का एफिडेविट फाइल करने का निर्देश दिया था।

इंजीनियर ने Amazon से ऑर्डर किया 1.86 लाख रुपये का मोबाइल, बॉक्स खोलकर देखा तो उड़ गए होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को ऑनलाइन मोबाइल खरीदना महंगा पड़ गया। इंजीनियर का दावा है कि उसने अमेजन से 1.86 लाख रुपये का Samsung Galaxy Z Fold 7 फोन ऑर्डर किया। इसके लिए उसने पूरा पेमेंट भी किया। ऑर्डर रिसीव होने के बाद डैसे ही फोन का डिब्बा खोला तो उसमें मोबाइल की जगह टाइल का टुकड़ा निकला। इसके बाद युवक ने तुंरत नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाई और इसके बाद कुमारस्वामी लेआउट पुलिस स्टेशन में औपचारिक एफआईआर दर्ज करवाई।

क्या बोली पुलिस- इस पूरे मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने दावा किया है कि उसे 1.86 लाख रुपये में ऑनलाइन ऑर्डर करने के बाद डिलीवर हुए सैमसंग गैलेक्सी' फोल्ड 7 स्मार्टफोन के बॉक्स में टाइल का एक टुकड़ा मिला। फोन ऑर्डर करने वाले येलाचेनहल्ली निवासी प्रेमानंद ने घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

फोन की जगह टाइल का टुकड़ा- शिकायत के अनुसार, प्रेमानंद ने 14 अक्टूबर को एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से फोन ऑर्डर किया और अपने क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन भुगतान किया। पैकेज 19 अक्टूबर को शाम करीब 4.16 बजे डिलीवर हुआ।

राजस्थान के जोधपुर में ATS और IB की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जोधपुर में एटीएस और आईबी ने कई जगहों पर छापेमारी की। आतंकवाद निरोधी दस्ता और इंटेलिजेंस ब्यूरो की संयुक्त कार्रवाई में तीन कथित आतंकवादियों को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गए संदिग्धों पर अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से जुड़ाव और फंडिंग नेटवर्क से संपर्क होने के संदेह हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस मामले की जानकारी देते हुए समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि राजस्थान के आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने शुक्रवार को कथित आतंकवादी गतिविधियों के सिलसिले में छापेमारी कर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया।

हमें इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए, राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार पटेल को याद कर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर 140 करोड़ भारतीयों को बधाई देता हूं। आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से ज्यादा रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने का नामुमकिन सा काम पूरा किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज करोड़ों लोगों ने एकता की शपथ ली। हमने तय किया है कि हम ऐसे कामों को बढ़ावा देंगे जो देश की एकता को मजबूत करें। हर वो सोच या काम जो हमारे देश की एकता को कमजोर करता है, उसे हर नागरिक को छोड़ना होगा। यह हमारे देश के लिए समय की जरूरत है।

एकता दिवस प्रेरणा और गर्व का पल

उन्होंने कहा कि जिस तरह हम 140 करोड़ देशवासी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं, वैसे ही एकता दिवस का महत्व हमारे लिए प्रेरणा और गर्व का पल है। यहां एकता नगर में ही एकता मॉल, एकता गार्डन, एकता के सूत्र को सशक्त करते हुए दिखते हैं। देशभर में हो रही एकता दौड़ RunForUnity, कोटि-कोटि भारतीयों का उत्साह, हम नए भारत की संकल्प शक्ति को साक्षात महसूस कर रहे हैं।

हमें इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि अभी यहां जो कार्यक्रम हुए, कल शाम जो अद्भुत प्रस्तुति हुई, उनमें भी अतीत की परंपरा थी, वर्तमान का श्रम और शौर्य था, और भविष्य की सिद्धि की झलक भी थी।

सरदार पटेल मानते थे कि इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए, हमें तो इतिहास बनाने के लिए मेहनत करनी चाहिए। उनकी ये भावना हमें उनकी जीवनगाथा में दिखाई देती है। सरदार साहब ने जो नीतियां बनाई, जो निर्णय लिए, उन्होंने नया इतिहास रचा।

भारत-अमेरिका के बीच हुई 10 साल की डिफेंस डील, राजनाथ सिंह बोले- नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को मलेशिया कुआलालंपुर में अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा पर एक समझौते का आदान-प्रदान किया। इस दौरान अमेरिका ने भारत के साथ ऐतिहासिक 10 वर्षीय रक्षा रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए।

दरअसल, अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने एक्स पर बताया कि उन्होंने भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। हेगसेठ ने आगे कहा कि यह समझौता भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी को आगे बढ़ाता है, जिसे उन्होंने क्षेत्रीय स्थिरता और प्रतिरोध की आधारशिला बताया।

हेगसेठ ने इसकी घोषणा करते हुआ कहा कि हम अपने समन्वय, सूचना साझाकरण और तकनीकी सहयोग को बढ़ा रहे हैं। हमारे रक्षा संबंध पहले कभी इतने मजबूत नहीं रहे। राजनाथ सिंह ने क्या कहा?- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी 10 साल के समझौते पर हस्ताक्षर की पुष्टि की और हेगसेथ के साथ अपनी बैठक को सार्थक बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- कुआलालंपुर में अपने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ के साथ एक सार्थक बैठक हुई। हमने 10 वर्षीय अमेरिका-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए। यह हमारी पहले से ही मजबूत रक्षा साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

यह रक्षा रूपरेखा भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों के संपूर्ण आयाम को नीतिगत दिशा प्रदान करेगी। यह हमारे बढ़ते रणनीतिक अभिसरण का संकेत है और साझेदारी के एक नए दशक की शुरुआत करेगा। रक्षा हमारे द्विपक्षीय संबंधों का प्रमुख स्तंभ बना रहेगा। एक स्वतंत्र, खुले और नियमों से बंधे हिंद-प्रशांत क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए हमारी साझेदारी महत्वपूर्ण है।

बता दें कि राजनाथ सिंह और पीट हेगसेथ के बीच यह मुलाकात कुआलालंपुर में आसियान-भारत रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक के दौरान हुई। यह अनौपचारिक बैठक 1 नवंबर को होने वाली आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम प्लस) से पहले आयोजित की गई थी। अपनी यात्रा से पहले, राजनाथ सिंह ने कहा था कि कुआलालंपुर में आसियान-भारत बैठकों का उद्देश्य आसियान सदस्य देशों और भारत के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करना तथा एक्ट ईस्ट पॉलिसी को आगे बढ़ाना है।

हर साल सिर्फ 7,500 शरणार्थियों को शरण देगा अमेरिका, इन लोगों को मिलेगी वरीयता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शरणार्थियों की प्रवेश संख्या में भारी कटौती की है। ट्रंप प्रशासन वित्तीय वर्ष 2026 के लिए अमेरिका में अब शरणार्थियों की प्रवेश संख्या को घटाकर 7,500 करने जा रहा है। इसमें भी श्वेत दक्षिण अफ्रीकी लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कार्यभार संभालने के साथ ही शरणार्थियों के आगमन पर रोक लगा दी थी। लेकिन प्रिटोरिया के इस आग्रह के बावजूद कि श्वेत दक्षिण अफ्रीकी लोगों को अपने देश में उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़े, उन्होंने इसके लिए अपवाद बना दिया है। नए फैसले के अनुसार, अमेरिका प्रतिवर्ष केवल 7,500 शरणार्थियों को स्वीकार करेगा, जिनमें से अधिकांश दक्षिण अफ्रीका से होंगे।

प्रशासन ने बृहस्पतिवार को में एक अधिसूचना जारी करते हुए जानकारी दी। जारी अधिसूचना के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका वित्तीय वर्ष 2026 में केवल 7,500 शरणार्थियों का स्वागत करेगा, जो डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बिडेन के तहत प्रति वर्ष 100,000 से अधिक शरणार्थियों का स्वागत करता था।

इन लोगों को मिलेगी वरीयता- व्हाइट हाउस के ज्ञापन के अनुसार, 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान स्वीकार किए जाने वाले लोगों में से अधिकांश श्वेत दक्षिण अफ्रीकी और अपने-अपने देशों में अवैध या अन्यायपूर्ण भेदभाव के शिकार अन्य लोग होंगे। इसमें कहा गया है कि प्रवेश संख्या मुख्य रूप से दक्षिण अफ्रीका के अफ्रिकन लोगों के बीच आवंटित की जाएगी।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने लाखों अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने के वादे के साथ व्हाइट हाउस के लिए अभियान चलाया और जनवरी में अमेरिकी शरणार्थी प्रवेश कार्यक्रम को निलंबित करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया।

1980 से दो मिलियन से अधिक लोगों को मिला प्रवेश- अमेरिकी आव्रजन परिषद के वरिष्ठ फेलो आरोन रीचलिन-मेलनिक ने कहा कि 1980 से उत्पीड़न से बचने वाले दो मिलियन से अधिक लोगों को इस कार्यक्रम के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश दिया गया है। अब इसका उपयोग श्वेत आप्रवासन के लिए एक मार्ग के रूप में किया जाएगा।

हत्या के आरोप में भारतीय मूल के सुब्रमण्यम वेदम ने जेल में काटे 43 साल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जन्मे सुब्रमण्यम वेदम को 1980 में अपने दोस्त थॉमस किनसर की कथित हत्या के मामले में खुद को निर्दोष साबित करने के लिए चार दशक से भी ज्यादा का इंतजार करना पड़ा। हालांकि, उन्हें 43 साल जेल में भी बिताने पड़े।

इसी महीने वह पेन्सिलवेनिया की जेल से रिहा होने वाले थे। मगर, शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। 64 साल के वेदम, जो नौ महीने की उम्र में कानूनी तौर पर भारत से अमेरिका आए थे, अब एक और मुश्किल कानूनी लड़ाई का सामना कर रहे हैं।

अगस्त में हुई सजा रद - गवाहों या हत्या के पीछे के कारणों की कमी के बावजूद वेदम को दो बार हत्या का दोषी ठहराया गया था। हालांकि, अगस्त में एक जज ने उनकी सजा को रद कर दिया था, जब उनके वकीलों को नए सबूत मिले जिसके बारे में प्रोसिक्यूटर ने कभी नहीं बताए थे। जब वेदम की बहन तीन अक्टूबर को उन्हें घर लाने की तैयारी कर रही थी, तो उन्हें 1999 के डिपोर्टेशन आर्डर के तहत हिरासत में ले लिया गया। बहरहाल, ट्रंप प्रशासन के बड़े पैमाने पर डिपोर्टेशन अभियान के बीच वेदम के वकीलों को इम्मिग्रेशन कोर्ट को यह समझाना होगा कि 1980 के दशक में ड्रग्स लेने के आरोप में मिली सजा को उन वर्षों से ज्यादा अहमियत नहीं दी जानी चाहिए।

यह पक्का किया जाए कि..., अमेरिका फिर से क्यों करना चाहता है न्यूक्लियर टेस्टिंग? जेडी वेंस ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका एक बार फिर न्यूक्लियर टेस्टिंग करना चाहता है। हालांकि अभी यह नहीं पता चल पाया है कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने किस तरह के टेस्ट का ऑर्डर दिया है। मामले पर उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिकी न्यूक्लियर हथियारों की टेस्टिंग से यह पक्का हो जाएगा कि असल में वो ठीक से काम कर रहे हैं। जब ट्रंप के न्यूक्लियर टेस्ट के ऑर्डर देने वाले सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में पूछा गया तो वेंस ने व्हाइट हाउस में रिपोर्टर्स से कहा, ÷यह अमेरिकी नेशनल सिक्योरिटी का एक जरूरी हिस्सा है कि यह पक्का किया जाए कि हमारे पास जो न्यूक्लियर हथियार हैं, वे असल में ठीक से काम करें और यह टेस्टिंग सिस्टम का हिस्सा है। ट्रंप ने गुरुवार को अमेरिकी सेना को 33 वर्षों के अंतराल के बाद तुरंत परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने का आदेश दिया। यह घोषणा चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बैठक शुरू करने से कुछ मिनट पहले की गई। ट्रंप ने कहा कि यह रूस और चीन के साथ समान आधार पर होगा। यानी ट्रंप का आदेश अमेरिका की रणनीतिक प्रतिक्रिया है ताकि वह रूस और चीन की बढ़ती परमाणु क्षमता के सामने पीछे न रह जाए। वैसे ट्रंप का यह फैसला ऐसे समय आया है जब कि रूस ने हाल ही में दो बेहद खतरनाक परमाणु हथियारों का सफल परीक्षण कर दुनिया को चौंका दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा- अन्य देशों के परीक्षण कार्यक्रमों के कारण मैंने डिपार्टमेंट आफ वार को हमारे परमाणु हथियारों का परीक्षण समान आधार पर शुरू करने का निर्देश दिया है।

सीजफायर के लिए सहमत हुए पाकिस्तान-अफगानिस्तान, तुर्किए ने किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में इस महीने हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों में टकराव की स्थिति बनी हुई थी। तनाव के बीच तुर्की के इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता बैठक के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने संघर्षविराम बनाए रखने पर सहमति जताई है। यह जानकारी कतर के साथ वार्ता में मध्यस्थता करने वाले तुर्की की ओर से दी गई है।

दरअसल, तुर्की और कतर की मध्यस्थता से इस्तांबुल में हुई शांति वार्ता के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं। इससे पहले युद्ध विराम को लेकर दोनों देशों के बीच हुई बातचीत विफल हो गई थी।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान द्वारा 2021 में काबुल पर कब्जा करने के बाद से दोनों देशों को अपने सबसे गंभीर सैन्य टकरावों का सामना करना पड़ा। वहीं, इस महीने हुई घातक झड़पों के कारण पाकिस्तान ने हवाई हमले किए, अफगानिस्तान ने जवाबी गोलाबारी की। हालांकि, इस सप्ताह दोनों देशों के बीच बॉर्डर वाले इलाकों में किसी नई झड़प की सूचना नहीं मिली है। लेकिन दोनों देशों ने प्रमुख क्रॉसिंग बंद रखी हैं, जिससे माल और शरणार्थियों से भरे सैकड़ों ट्रक दोनों तरफ फंसे हुए हैं।

उल्लंघन करने वाले पर लगेगा दंड- तुर्की के विदेश मंत्रालय ने 25-30 अक्टूबर की वार्ता को लेकर कहा कि सभी पक्ष एक निगरानी और सत्यापन तंत्र स्थापित करने पर सहमत हुए हैं जो शांति बनाए रखने को सुनिश्चित करेगा और उल्लंघन करने वाले पक्ष पर दंड लगाएगा।

कौन हैं प्रिंस एंड्रयू जिन्हें किंग चार्ल्स ने घर से निकाला, क्यों छीना रॉयल टाइटल

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के किंग चा?र्ल्स ने अपने छोटे भाई एंड्रयू से उनकी उपाधियां और सम्मान वापस लेने का निर्णय लिया है। एंड्रयू को घर से भी बाहर निकालने का निर्णय लिया गया है। अब उन्हें एंड्रयू माउंटबेटन विंडसर के नाम से जाना जाएगा।

बकिंघम पैलेस ने गुरुवार को बताया कि दिवंगत यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ एंड्रयू के संबंधों के कारण यह कदम उठाया गया है। बयान में कहा गया है कि एंड्रयू को अब रॉयल लॉज नाम के अपने आवास को छोड़ने के लिए नोटिस दिया गया है। वह वैकल्पिक निजी आवास में चले जाएंगे।

कौन हैं प्रिंस एंड्रयू- एंड्रयू दिवंगत महारानी एलिजाबेथ II के दूसरे बेटे और किंग चार्ल्स III के छोटे भाई हैं। उनकी शादी सारा फर्ग्यूसन से हुई थी। प्रिंस ने इस महीने की शुरुआत में ड्यूक ऑफ यॉर्क का अपना टाइटल छोड़ दिया था। उनकी दो बेटियां हैं, प्रिंसेस बीट्राइस और प्रिंसेस यूजनी।

उन्होंने 22 साल तक रॉयल नेवी में भी काम किया और 1982 के फॉकलैंड्स युद्ध के दौरान हेलीकॉप्टर पायलट के तौर पर काम किया। बाद में उन्होंने माइन काउंटरमेजर शिप एचएमएस कॉटेसमोर की कमान संभाली। 2019 में पब्लिक ड्यूटी से हटने के बाद उनकी मिलिट्री भूमिकाएं सस्पेंड कर दी गईं।

ट्रंप में 40 साल छोटे व्यक्ति से भी ज्यादा एनर्जी, जेडी वेंस ने की अमेरिकी राष्ट्रपति की जमकर तारीफ

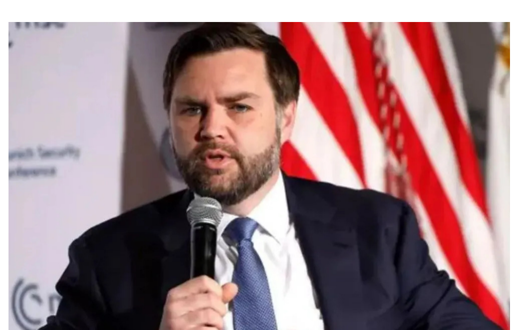

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप अपने बयानों को लेकर लगातार चर्चा में रहते हैं। जिसमें में वे अक्सर खुद की ही तारीफ रहते हैं। इस बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उनकी जमकर प्रशंसा की है। जेडी वेंस ने ट्रंप की नींद की आदतों के बारे में बताया और स्वीकार किया कि उनमें अविश्वसनीय ऊर्जा है और वह 40 साल छोटे किसी भी व्यक्ति से अधिक है। दरअसल, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस एक पॉडकास्ट में बोलते हुए ट्रंप के साथ की गई अपनी अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आप ट्रंप के साथ इन 23 घंटों की अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं में से किसी एक पर जाएं। अगर आप भाग्यशाली हैं, तो वह दो घंटे सोएंगे। यदि आप बदकिस्मत हैं, तो वह एयर फ़ोर्स वन में घूम रहे होंगे, और आपको परेशान कर रहे होंगे क्योंकि आप सो गए हैं।

जेडी वेंस ने कहा कि यह किंवदंती कि राष्ट्रपति ट्रंप कभी नहीं सोते, 100त्न सच है। उनके साथ यात्रा के दौरान जो भी नींद लेने की हिम्मत करता है, उसे एक क्लासिक कम ऊर्जा वाले प्रहार से भून देते हैं। वे आधी रात को गपशप करने के लिए अधमरे प्रेस वालों को भी बिस्तर से खींचकर ले जाएंगे। ये हैं मेरे राष्ट्रपति, अब तक के सबसे मेहनती ट्रोल राष्ट्रपति।

23 करोड़ की धोखाधड़ी करने वाला आरोपी पुलिस हिरासत से फरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने एक बड़ी सुरक्षा चूक के मामले में सब-इंस्पेक्टर श्रीकांत गौड़ को सस्पेंड कर दिया है। इस चूक की वजह से एक हाई-प्रोफाइल फाइनेंशियल फ्रॉड का आरोपी वुपलापटी सतीश पुलिस कस्टडी से भाग गया। आरोप है कि सब-इंस्पेक्टर ने 2 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर आरोपी को भागने में मदद की थी।

घटना 24 अक्टूबर को उस दौरान हुई जब टास्क फोर्स की एक टीम सतीश, उसकी पत्नी और बेटी को मुंबई से हैदराबाद ला रही थी। सतीश 23 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी के मामले में मुख्य आरोपी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उसने कई इन्वेस्टर्स को धोखा दिया था।

आरोपी परिवार सदाशिवपेट के पास से पुलिस कस्टडी से भाग गया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि SI ने जानबूझकर आरोपी को ले जा रही वैन को पुलिस टीम से दूर रखा। इसके बाद सतीश और उसका परिवार पहले से इंतजाम की गई गाड़ी में बैठकर भाग गए। बाद में वह कार कोल्हापुर में लावारिस हालत में मिली, जिससे पता चलता है कि वे महाराष्ट्र में घुस गए थे।

23 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोपी फरार- कमिश्नर सज्जनार ने इस गंभीर सुरक्षा चूक के लिए SI को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही मामले की अंदरूनी जांच के आदेश दे दी हैं। स्ढ्ढ को लापरवाही बरतने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया। हैदराबाद पुलिस ने सतीश और उसके परिवार के सदस्यों को पकड़ने के लिए महाराष्ट्र पर फोकस करते हुए कई राज्यों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान भी शुरू किया है। पुलिस अब उनके फाइनेंशियल नेटवर्क का पता लगा रही है और उनके छिपने की जगहों का मैप बना रही है।

तेलंगाना में रेड्डी सरकार का बड़ा फैसला, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान को बनाया मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को तेलंगाना सरकार ने अपने मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया है। मोहम्मद अजहरुद्दीन शुक्रवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार के मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। तेलंगाना राजभवन में आयोजित एक समारोह में, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण नेताओं की उपस्थिति में पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन को शपथ दिलाई। अजहरुद्दीन के शामिल होने से मंत्रिमंडल में कुल 16 सदस्य हो गए हैं। अभी दो और सदस्य शामिल हो सकते हैं। तेलंगाना विधानसभा सदस्यों की संख्या के अनुसार, यहां 18 मंत्री हो सकते हैं। पूर्व क्रिकेटर की मंत्री पद पर नियुक्ति को एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी जुबली हिल्स उपचुनाव में जी-जान से जुटी है, जहां एक लाख से अधिक मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। बताते चले कि इसी साल जून में बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ के दिल का दौरा पड़ने से निधन के कारण उनकी जगह खाली हो गई है।

शिवसेना नेता संजय राउत की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत के स्वास्थ्य को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। तबियत बिगड़ने के बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इतना ही नहीं वह दो महीने तक सार्वजनिक जीवन से भी दूर रहेंगे। संजय राउत ने अपने कार्यकर्ताओं को एक भावुक पत्र लिखकर इस बात की जानकारी दी है। संजय राउत ने कहा, ÷जय महाराष्ट्र! सभी मित्रों, परिवार और कार्यकर्ताओं से विनम्र निवेदन है, आप सभी ने हमेशा मुझ पर विश्वास किया है और मुझे प्यार दिया है, लेकिन अब अचानक पता चला है कि मेरे स्वास्थ्य में कुछ गंभीर गिरावट आई है। इलाज चल रहा है, मैं जल्द ही इससे उबर जाऊंगा। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार, मुझे बाहर जाने और भीड़ में घुलने-मिलने से मना किया गया है। इसके अलावा कोई रास्ता नहीं है। मुझे विश्वास है कि मैं ठीक हो जाऊंगा और नए साल में आपसे मिलने आऊंगा। आपका प्यार और आशीर्वाद ऐसे ही बना रहे।

गले में तकलीफ की वजह से कुछ दिन पहले भी हुए थे अस्पताल में भर्ती- सूत्रों की अगर मानें तो राउत का इलाज मुंबई के एक प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है लेकिन बीमारी का सटीक कारण अभी पता नहीं चला है। कुछ दिन पहले भी संजय राउत को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तब उन्हें गले में तकलीफ बताई गई थी।

चुनाव से पहले केरल सरकार का शिक्षकों को तोहफा, महंगाई भत्ते में कर दिया इतने प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे पहले केरल सरकार ने शिक्षकों को मिलने वाले महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। ये आदेश यूजीसी, एआईसीटीई और चिकित्सा शिक्षा योजनाओं के तहत शिक्षण कर्मचारियों और पेंशनभोगियों पर लागू होगा।

इसके तहत जो शिक्षण कर्मचारी जनवरी 2016 या उसके बाद संशोधित वेतनमान में स्थानांतरित हुए हैं, उनका डीए बढ़ाकर 42 प्रतिशत से 46 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं जनवरी 2006 या उसके बाद से प्रभावी छठे वेतनमान में बने रहने वाले ऐसे शिक्षण कर्मचारियों के लिए डीए 221 फीसदी से बढ़ाकर 230 फीसदी कर दिया गया है।

पेंशनभोगियों को भी मिला तोहफा- जिस यूजीसी पेंशनभोगियों की पेशन 2020 के सरकारी आदेश के अनुसार संशोधित की गई थी, उनका डीआर भी 42 फीसदी से बढ़कर 46 फीसदी हो जाएगा। वहीं जिनकी पेंशन 2020 के आदेश के अनुसार संशोधित नहीं की गई थी, उनका डीआर 221 प्रतिशत से बढ़ाकर 230 प्रतिशत हो जाएगा।

बढ़ा हुआ डीए अक्टूबर 2025 की देय सैलरी से शुरू होगा, जबकि डीआर नवंबर 2025 की देय पेंशन के साथ लागू होगा। इसके पहले गुरुवार को वित्त विभाग ने कर्मचारियों, शिक्षकों, सहायता प्राप्त स्कूलों, निजी कॉलेजों और पॉलिटेक्निक के कर्मचारियों, पूर्णकालिक आकस्मिक कर्मचारियों और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों और पेंशनभोगिया को डीए व डीआर 18 फीसदी से बढ़ाकर 22 फीसदी किया था।

भारत-रूस संबंधों को खराब नहीं करना चाहते मगर..., बच्चे की कस्टडी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की शीर्ष अदालत ने रूसी महिला द्वारा अपने भारतीय पति के साथ बच्चे की कस्टडी को लेकर चल रहे विवाद के बीच बच्चे को लेकर भाग जाने और इस पर रूसी दूतावास की तरफ से कोई उचित जवाब नहीं मिलने पर चिंता व्यक्त की है। ये मामला जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ के सामने है।

केंद्र सरकार ने इस संबंध में अदालत को जानकारी दी थी कि रूसी महिला विक्टोरिया बसु बच्चे को लेकर नेपाल के रास्ते अपने देश पहुंच गई होगी। अब केंद्र ने बताया है कि इस मामले में अब तक रूसी दूतावास से कोई ठोस सहायता नहीं मिली है। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह कोई ऐसा आदेश नहीं देना चाहती, जिससे भारत-रूस के संबंधों पर कोई असर पड़े, लेकिन यह महत्वपूर्ण मामला है।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

अदालत ने कहा कि %हम केवल यही उम्मीद कर सकते हैं कि बच्चा अपनी माँ के साथ स्वस्थ और तंदुरुस्त हो। लेकिन हमें उम्मीद है कि यह बाल तस्करी का मामला नहीं है और वह रूस में अन्य शोषणकारी गतिविधियों में लिप्त नहीं है। कोर्ट ने अधिकारियों को रूसी अधिकारियों से संपर्क करने के लिए दो सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया है। दरअसल सैकत बसु नामक एक व्यक्ति ने रूसी महिला विक्टोरिया के साथ शादी की थी। दोनों का एक 4 साल का बच्चा भी है। लेकिन बाद में दोनों के रिश्तों में खटास आ गई और दोनों अलग हो गए। बच्चे की कस्टडी को लेकर सैकत बसु ने कानूनी लड़ाई लड़ी। अदालत ने इस संबंध में अभी तक कोई फैसला नहीं सुनाया था, लेकिन इसी बीच विक्टोरिया बच्चे को लेकर कहीं लापता हो गई।

सारी समस्याओं की जड़ RSS, इस पर बैन लगाना चाहिए; मल्लिकार्जुन खरगे ने क्यों की ये मांग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल का हवाला देते आलोचना की और कहा कि आरएसएस की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया था।

दरअसल, क्रांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की ज्यादातर कानून-व्यवस्था की समस्याएं भाजपा और आरएसएस से जुड़ी हैं। मेरी निजी राय है कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरएसएस की विचारधारा की तुलना जहर से की। खड़गे ने कहा कि सरदार पटेल ने यह भी कहा था कि सरकारी सेवा में रहते हुए किसी को आरएसएस के लिए काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे मोदी सरकार ने 9 जुलाई, 2024 को हटा लिया। हम मांग करते हैं कि इस प्रतिबंध को फिर से लागू किया जाए।

आरएसएस ने महात्मा गांधी की मृत्यु का जश्न मनाया था- कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सरदार पटेल ने देश को एकजुट किया। जवाहरलाल नेहरू का मानना था कि सरदार पटेल का योगदान बहुत बड़ा था। 4 फरवरी, 1948 को सरदार पटेल ने आरएसएस के बारे में एक पत्र में लिखा था- आरएसएस ने गांधीजी की मृत्यु का जश्न मनाया और मिठाइयां बांटीं। इसके बाद सरकार के पास कोई और विकल्प नहीं था।

भाजपा ने किया पलटवार- वहीं, भाजपा ने दशकों तक पटेल के योगदान को नजरअंदाज करने के बाद आरएसएस पर हमला करने के लिए पटेल का हवाला देने पर कांग्रेस की आलोचना की है। भाजपा ने कांग्रेस पर 50 से ज्यादा सालों तक पटेल की अनदेखी करने और उनके योगदान को कम करके आंकने का आरोप लगाया।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल एकादशी

संपादकीय

हमारे देश से हर साल हजारों विद्यार्थी व पेशेवर बेहतर शिक्षा, उच्च जीवन स्तर की चाह पूरी करने को विदेशों का रुख करते हैं...

हमारे देश से हर साल हजारों विद्यार्थी व पेशेवर बेहतर शिक्षा, उच्च जीवन स्तर की चाह पूरी करने को विदेशों का रुख करते हैं। हालांकि कई विकसित देशों ने इसमें बाधाएं खड़ी कर दी हैं। इसके बावजूद विदेश में कैरियर बनाने के इच्छुक प्रतिभाशाली युवा यह सपना सच कर सकते हैं, बशर्ते उनका लक्ष्य स्पष्ट हो और पहले से ही व्यवस्थित तैयारी शुरू करें।

आज के ग्लोबल युग में लाखों भारतीय युवाओं का सपना विदेश में कैरियर बनाना होता है। हालांकि हाल के सालों में अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों ने भारतीय युवाओं के लिए कई तरह की बाधाएं खड़ी कर दी हैं लेकिन जो प्रतिभाशाली हैं और जिनका लक्ष्य विदेश में कैरियर बनाने का है, वो आज भी इसे संभव बना सकते हैं, बशर्ते इसके लिए पहले से ही लक्ष्य स्पष्ट हो और इसकी पहले से व्यवस्थित शुरुआत कर दी जाए। बेहतर शिक्षा, उच्च जीवन स्तर की चाह रखने वाले हजारों भारतीय विद्यार्थी और प्रोफेशनल हर साल विदेशों की राह पकड़ते हैं। जानिये इसकी व्यवस्थित और चरणबद्ध तैयारी कैसे करें-

लक्ष्य स्पष्ट हो- अगर विदेश में कैरियर बनाना है, तो बहुत पहले लक्ष्य स्पष्ट और सुनिश्चित कर लेना चाहिए। आपको 10+2 की पढ़ाई के दौरान ही स्पष्ट हो कि विदेश में किस क्षेत्र में कैरियर बनाना है। सीधे नौकरी या शोध कार्य के माध्यम से जाना चाहते हैं, यह तय कर लीजिए। बहरहाल जो छात्र टेक्नोलॉजी या साइंस में रुचि रखते हों, उन्हें जर्मनी, कनाडा और अमेरिका को अपनी प्राथमिकताओं में रखना चाहिए। जो छात्र कला, डिजाइन या संस्कृति से जुड़े क्षेत्रों में कैरियर बनाने की सोच रहे हों, उनके लिए फ्रांस, इटली और जापान अच्छे विकल्प हैं। मेडिकल और हेल्थ सेक्टर में अगर कैरियर बनाना है, तो इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड का रुख करें। इसकी शुरुआत 11वीं कक्षा से कर देनी चाहिए। अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो दो साल पहले से ही इसकी योजना बना लें ताकि भाषा, डिग्री और डॉक्यूमेंटेशन की जरूरतें पूरी कर सकें।मजबूत नींव तैयार करें- विदेशों में कैरियर के लिए केवल डिग्री ही जरूरी नहीं होती, कौशल भी बड़ी पूंजी होती है। इसलिए हर देश में काम करने या पढ़ने के लिए न्यूनतम योग्यता तय होती है। अगर अमेरिका में मास्टर्स या पीएचडी करना चाहते हैं, तो जीआरई या जीएमएटी की आवश्यकता पड़ती है। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में आईईएलटीएस और टीओईएफएल स्कोर के आधार पर प्रवेश मिलता है। जबकि जर्मनी में इंजीनियरिंग या साइंस के छात्रों के लिए बी.1, बी.2 स्तर की जर्मन भाषा परीक्षा पास करनी जरूरी है। वहीं आजकल कंपनियां स्किल पर भरोसा करती हैं। इसलिए कोडिंग, डेटा एनालिटिक्स, डिजाइनिंग, डिजिटल मार्केटिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व भाषा ज्ञान जैसी क्षमताएं जरूरी हैं। लिंक्डइन लर्निंग, कोरसेरा जैसे प्लेटफॉर्म में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स करके आप अपनी प्रोफाइल इंटरनेशनल कसौटियों के अनुकूल बना सकते हैं।

भाषा पर पकड़- अगर अंग्रेजी भाषी देशों मसलन अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और इंग्लैंड में कैरियर बनाने की तमन्ना है, तो अंग्रेजी पर अच्छा अधिकार जरूरी है। अगर जर्मनी, फ्रांस और जापान जैसे देशों में कैरियर बनाना चाहते हैं, तो यहां की स्थानीय भाषाओं में दक्षता हासिल करना जरूरी होता है। इसलिए हर दिन करीब डेढ़ से दो साल तक प्रतिदिन 45 मिनट से एक घंटे तक भाषा पर अच्छी पकड़ की तैयारी करें। सोशल मीडिया में विदेशी समाचार, ब्रॉडकास्ट और इंटरव्यू सुनना फायदेमंद होता है। तैयारी 10वीं और 11वीं करने के दौरान शुरू कर दें। वीजा नियम की जानकारी- हर देश का अपना एक वीजा नियम होता है। जैसे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में छात्र आसानी से यहां स्थायी निवास की सुविधा भी हासिल कर सकते हैं। जबकि अमेरिका और जापान जैसे देश स्थायी निवास की सुविधा को लेकर सख्त रवैया अपनाते हैं।

मध्य प्रदेश दिवस

मध्य प्रदेश भारत का एक राज्य है, जिसकी राजधानी भोपाल है। मध्य प्रदेश राज्य की स्थापना 1 नवंबर, 1956 में हुई थी। यह राज्य 1 नवंबर, 2000 तक क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे बड़ा राज्य था। इस दिन मध्य प्रदेश के कई नगर उससे हटाकर छत्तीसगढ़ की स्थापना हुई थी। मध्य प्रदेश की सीमाएँ पांच राज्यों की सीमाओं से मिलती हैं। इसके उत्तर में उत्तर प्रदेश, पूर्व में छत्तीसगढ़, दक्षिण में महाराष्ट्र, पश्चिम में गुजरात तथा उत्तर-पश्चिम में राजस्थान है।

इतिहास- मध्य प्रदेश के इतिहास पर नज़र डाले तो पता चलता है कि यहाँ 10वीं शताब्दी में कलचुरी शासक काफ़ी शक्तिशाली हो गए थे। उनके समकालीन थे- धार के परमार, ग्वालियर में कछवाहा और झाँसी से 160 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में खजुराहो में चंदेल। बाद में तोमरों ने ग्वालियर और जनजातीय गोंडों ने शासन किया। 11वीं शताब्दी में मुसलमानों के आक्रमण शुरू हुए। ग्वालियर की हिन्दू रियासत को 1231 ई. में सुल्तान शम्सुद्दीन इल्तुतमिश ने दिल्ली में मिला लिया। 14वीं शताब्दी में ख़िलजी सुल्तानों ने मालवा को बरबाद किया।

इसके बाद मुग़ल शासक अकबर (1556-1605 ई.) ने इसे मुग़ल साम्राज्य में मिला लिया। 18वीं शताब्दी के प्रारम्भ में मराठा शक्ति ने मालवा पर अधिकार किया और 1760 ई. तक एक बड़ा भूभाग, जो अब मध्य प्रदेश है, मराठों के शासन में आ गया। 1761 ई. में पेशवा की पराजय के साथ ही ग्वालियर में सिंधिया और दक्षिण-पश्चिम में इंदौर में होल्कर राजवंश का शासन स्थापित हुआ। इंदौर की रानी अहिल्याबाई होल्कर, गोंड की महारानी कमलापति और रानी दुर्गावती आदि कुछ महान् महिला शासकों ने अपने उत्कृष्ट शासन के लिए भारतीय इतिहास में अपना नाम स्वर्णाक्षरों में लिखवा लिया।

स्थापना

मध्य प्रदेश की स्थापना 1 नवंबर, 1956 को हुई। नया राज्य छत्तीसगढ़ बनाने के लिए हुए विभाजन के बाद यह अपने वर्तमान स्वरूप में 1 नवंबर, 2000 को अस्तित्व में आया। मध्य प्रदेश के उत्तर में उत्तर प्रदेश, पूर्व में छत्तीसगढ़ तथा पश्चिम में राजस्थान और गुजरात, दक्षिण में महाराष्ट्र है। यहाँ नर्मदा की घाटी में नवदाटोली की खुदाई 1957-1958 में की गयी थी। नवदाटोली इन्दौर से दक्षिण की ओर 60 मील की दूरी पर स्थित है। यहाँ के निवासी गोल, आयताकार या वर्गाकार झोंपड़ियाँ बनाते थे व उनमें निवास किया करते थे।

विभाजन

मध्य प्रदेश देश के मध्य में स्थित है, इसलिए इसे 'हृदय प्रदेश' भी कहा जाता है। मध्य प्रदेश को यह नाम पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिया था। प्रदेश को ब्रिटिश काल में 'सेंट्रल प्रोविंस' (मध्य प्रान्त) एवं बरार के नाम से जाना जाता था। स्वतंत्रता के पश्चात् मध्य प्रदेश को 'थ्री स्टेट - A, B तथा C में बांटा गया-

सेंट्रल प्रोविंस तथा बरार में छत्तीसगढ़ और बघेलखण्ड को मिलकर पार्ट - A (स्टेट - A) बनाया गया।

पश्चिम की रियासतों को मिलाकर पार्ट - B (स्टेट - B) बनाया गया। इसका नाम मध्य भारत रखा गया।

उत्तर की रियासतों को मिलाकर पार्ट - C (स्टेट - C) बनाया गया। (भोपाल पार्ट - C का भाग था।)

राज्य पुनर्गठन आयोग, 1953

29 दिसम्बर, 1953 को राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना की गयी। आयोग के अध्यक्षता सैयद फजल अली को सौंपी गयी।

1953 में बने फजल अली की अध्यक्षता में गठित राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा पर 1 नवम्बर, 1956 को नवीन मध्य प्रदेश का गठन हुआ।

राज्य पुनर्गठन आयोग की अनुशंसा पर राज्य की सीमाओं में निम्नलिखित परिवर्तन किये गए-

बुलढाना, अकोला, अमरावती, यवतमाल, वर्धा, नागपुर, भंडारा, चाँदा को तत्कालीन मुंबई राज्य (महाराष्ट्र) में मिला दिया गया। शेष पार्ट -॒ का भाग वर्तमान मध्य प्रदेश का भाग बना।

मंदसौर ज़िले की भानपुरा तहसील के सुनेल टप्पा को छोड़कर शेष भाग को मध्य प्रदेश में मिला लिया गया।

राजस्थान के कोटा ज़िले की सिरोंज तहसील को मध्य प्रदेश के विदिशा ज़िले में लाया गया।

शेष पार्ट- क्क का हिस्सा वर्तमान मध्य प्रदेश का अंग है।

पार्ट-ष्ट स्टेट (विंध्य प्रदेश) का पूरा-पूरा भाग वर्तमान मध्य प्रदेश में मिलाया गया।

भोपाल राज्य भी वर्तमान मध्य प्रदेश का अंग बना।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

नवीन मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को बनाया गया, जो पूर्व में सीहोर ज़िले की एक तहसील थी। इस तरह उपर्युक्त सीमाओं में परिवर्तन के पश्चात् मध्य प्रदेश का 1 नवम्बर, 1956 को (गठन) हुआ, जिसमे 8 संभाग तथा 43 ज़िले शामिल थे।

26 नवम्बर, 1972 को भोपाल तथा राजनांदगांव दो नए ज़िले बने और जिलों की संख्या 45 हो गयी।

बी.आर. दुबे की अध्यक्षता में गठित सिंघदेव समिति की सिफारिश पर वर्ष 1998 में 10 नए ज़िले बनाये गए।

6 और ज़िले 1998 में गठित सिंघदेव समिति की सिफारिश पर बनाये गए। इस प्रकार जिलों की संख्या 61 हो गयी।

31 अक्टूबर, 2000 को मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ के अलग होने से 16 ज़िले नवीन राज्य में चले गए और मध्य प्रदेश में पुनः जिलों की संख्या 45 हो गयी।

वर्ष 2003 में तीन ज़िले- बुरहानपुर (खंडवा से), अनूपपुर (शहडोल से) तथा अशोकनगर (गुना से) का गठन किया गया, जिससे प्रदेश में जिलों की संख्या 48 हो गयी।

वर्ष 2008 में प्रदेश सरकार द्वारा अलीराजपुर तथा सिंगरौली को ज़िला बनाया गया और प्रदेश में जिलों की संख्या 50 हो गयी।

मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2013 में शाजापुर ज़िले से पृथक कर आगर-मालवा नाम से एक नया ज़िला गठित किया। इसे मिलाकर वर्तमान मध्य प्रदेश में जिलों की संख्या 51 हो गयी है।

संभाग और ज़िले

वर्तमान मध्य प्रदेश प्रशासनिक तौर पर 10 संभागों और 51 जिलों में बंटा हुआ है। ये संभाग और ज़िले इस प्रकार हैं-

चंबल संभाग (3) - श्योपुर, मुरैना, भिण्ड

ग्वालियर संभाग (5) - ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया

उज्जैन संभाग (7) - उज्जैन, देवास, रतलाम, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच

इन्दौर संभाग (8) - इन्दौर, धार, अलीराजपुर, झाबुआ, खरगौन, बड़वानी, खंडवा, बुरहानपुर

भोपाल संभाग (5) - भोपाल, सीहोर, रायसेन, राजगढ़, विदिशा

होशंगाबाद / नर्मदापुरम संभाग (3) - होशंगाबाद, बैतूल, हरदा

सागर संभाग (5) - सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ

जबलपुर संभाग (8) - जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, डिंडौरी

रीवा संभाग (4) - रीवा, सिंगरौली, सीधी, सतना

शहडोल संभाग (3) - शहडोल, उमरिया, अनूपपुर

एक साल की एफडी पर चाहिए ज्यादा रिटर्न? ये रही बैंकों की लिस्ट जो दे रहे तगड़ा ब्याज

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में निवेश के कई विकल्प हैं। अधिकतर लोग शेयर बाजार या फिर म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं। लेकिन बहुत से ऐसे लोग भी है जो आज भी सुरक्षित निवेश करते हैं। बैंक एफडी को सुरक्षित निवेश माना जाता है। यहां आपको एक फिक्स रिटर्न मिलता है। शेयर बाजार में आपका निवेश निगेटिव भी हो सकता है। लेकिन यहां आपको एक निश्चित ब्याज दर मिलेगी। लेकिन बहुत से लोग कम समय के लिए निवेश करना चाहते हैं और यह भी चाहते हैं कि जो रिटर्न मिले थोड़ा ज्यादा हो।

अगर आप भी बहुत कम समय के लिए निवेश करना चाहते हैं और अधिक रिटर्न पाने की लालसा रखते हैं तो आज हम आपको उन 8 बैंकों की एफडी के बारे में बताएंगे जो एक साल की एफडी पर अन्य बैंकों की तुलना अधिक रिटर्न दे रहे हैं। आइए उन बैंकों की ब्याज दर के बारे में जानते हैं जो वह एक साल की एफडी पर दे रहे हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक- यह प्राइवेट बैंक भी आम नागरिकों और सीनियर सिटीजन को एक साल की फिक्स्ड डिपॉजिट पर क्रमशः 6.25% और 6.75% इंटरेस्ट देता है।

फेडरल बैंक- यह भी आम और सीनियर सिटीजन को एक साल की स्नष्ठ पर क्रमशः 6.25% और 6.7% इंटरेस्ट देता है। सबसे ज्यादा रिटर्न (6.70%) 999 दिन की डिपॉजिट टेन्योर पर मिलता है।

स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया- देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक आम नागरिकों को एक साल की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.25% और सीनियर सिटीजन को 6.75% का इंटरेस्ट देता है।

यूनियन बैंक- यह सरकारी बैंक आम नागरिकों को एक साल की फिक्स्ड डिपॉजिट पर 6.40% और सीनियर सिटीजन्स को 6.90% ब्याज देता है।

केनरा बैंक- यह सरकारी बैंक एक साल की फिक्स्ड डिपॉज़िट पर आम नागरिकों को 6.25% और सीनियर सिटीज़न्स को 6.75% ब्याज देता है। 444 दिनों की स्नष्ठ पर सबसे ज़्यादा 6.50त्न और 7% का रिटर्न मिलता है।

पंजाब नेशनल बैंक- यह सरकारी बैंक आम नागरिकों को 6.25% और सीनियर सिटीज़न्स को 6.75% ब्याज देता है।

बोनस और डिविडेंड साथ-साथ, डॉ. लाल पैथ लैब्स ने तिमाही नतीजों के साथ किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। डायग्नोस्टिक्स चेन डॉ. लाल पैथ लैब्स ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी का मुनाफा 16.56% से अधिक बढ़ा है। नतीजों के साथ कंपनी ने निवेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। कंपनी ने बोनस शेयर और डिविडेंड देने का भी ऐलान कर दिया है। साथ ही डिविडेंड की रिकॉर्ड डेट भी घोषित कर दी है। इसके अलावा कंपनी जल्द ही बोनस की रिकॉर्ड डेट भी घोषित करेगी।

कंपनी ने कंसोलिडेटेड बेसिस पर ऑपरेशंस से रेवेन्यू 731 करोड़ बताया, जो पिछले साल इसी समय के 660 करोड़ से 11त्न ज्यादा है। इसका नेट प्रॉफिट पिछले फिस्कल ईयर की इसी तिमाही के 129 करोड़ से 17% बढ़कर 151 करोड़ हो गया। इसका ऑपरेटिंग प्रॉफिट, या EBITDA, पिछले साल के 202 करोड़ के मुकाबले 11% बढ़कर 224.3 करोड़ हो गया।

हर शेयर के बदले मिलेगा 7 रुपये का डिविडेंड

अपनी अर्निंग्स रिलीज में, डॉ. लाल पैथलैब्स ने कहा कि कंपनी के बोर्ड ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के लिए हर इक्विटी शेयर पर 7 (हर शेयर की फेस वैल्यू 10 पर 70%) का दूसरा अंतरिम डिविडेंड देने की मंजूरी दे दी है। इसकी रिकॉर्ड डेट 7 नवंबर 2025 है।

एक ही दिन में हर शेयर पर 700 रुपये की हुई कमाई, रॉकेट बने इस केमिकल कंपनी के शेयर; अभी और मारेंगे उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केमिकल सेक्टर की दिग्गज कंपनी नवीन फ्लोरीन इंटरनेशनल लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को जोरदार तेजी देखने को मिली। कंपनी के शानदार तिमाही नतीजों के बाद इसके शेयर 17.3% उछलकर 5,839 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। इससे एक ही दिन में निवेशकों को करीब हर शेयर पर 700 रुपये का मुनाफा हुआ।

मजबूत वित्तीय प्रदर्शन के चलते Elara Capital बोकरेज फर्म ने ने भी स्टॉक पर अपने टारगेट प्राइस बढ़ा दिए हैं, जिससे यह शेयर छह दिन की गिरावट से उबर गया है।

तिमाही नतीजे शानदार रहे- सितंबर तिमाही में कंपनी ने हर मोर्चे पर दमदार प्रदर्शन किया। कुल राजस्व 758 करोड़ रहा, जो साल-दर-साल 46% और तिमाही-दर-तिमाही 5% की बढ़ोतरी दिखाता है।

हाई परफॉर्मेंस प्रोडक्ट सेगमेंट का राजस्व 38त्न बढ़कर ?404 करोड़ हुआ, जो उच्च वॉल्यूम और बेहतर प्राइसिंग से प्रेरित रहा। स्पेशियलिटी केमिकल्स डिवीजन का राजस्व 39% बढ़कर 219 करोड़ पर पहुंचा। वहीं, CDMO सेगमेंट ने 98% की रिकॉर्ड बढ़त के साथ 134 करोड़ का राजस्व दर्ज किया।

कंपनी ने इस तिमाही में अब तक का सबसे ऊंचा EBITDA मार्जिन 32.5% हासिल किया। प्रबंधन ने भरोसा जताया कि FY26 के लिए EBITDA मार्जिन लगभग 30% के आसपास बनाए रखने में सक्षम रहेगा। मजबूत राजस्व और परिचालन प्रदर्शन के चलते कंपनी का शुद्ध लाभ 152% YoY और 27% त्त्रशक्तबढ़कर 148 करोड़ तक पहुंच गया।

HFO रेफ्रिजरेंट्स की मांग में तेजी- कंपनी ने लो ग्लोबल वार्मिंग पोटेंशियल वाले रेफ्रिजरेंट R32 की बढ़ती मांग को देखते हुए इसकी क्षमता में 15,000 टन की वृद्धि करने की योजना बनाई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, R32 की कीमतों में 500 प्रति किलोग्राम की वृद्धि देखी गई है और यह मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

मारुति सुजुकी का मुनाफा 7% बढ़कर 3,293 करोड़ हुआ, रेवेन्यू में 13% की छलांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। जिसमें कंपनी ने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी का नेट प्रॉफिट 7% बढ़कर 3,293 करोड़ रुपए पहुंच गया है, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में यह 3,069 करोड़ रुपए था।

कंपनी के अनुसार, इस तिमाही में ऑपरेशनल रेवेन्यू 13% बढ़कर 42,101 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 37,203 करोड़ रुपए था। कुल आय भी बढ़कर 43,014 करोड़ रुपए रही, जबकि पिछले साल यह 38,678 करोड़ रुपए थी।

हालांकि, कंपनी का EBITDA (ब्याज, टैक्स, डेप्रिसिएशन से पहले की आय) मामूली रूप से बढ़कर 4,434 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले 4,417 करोड़ रुपए था। EBITDA मार्जिन घटकर 10.53% रह गया, जो पिछले साल 11.87% था। इसका मतलब है कि लागत बढ़ने से ऑपरेटिंग मार्जिन पर थोड़ा दबाव बना रहा। शेयर मार्केट में कंपनी के स्टॉक्स शुक्रवार को हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। लेकिन कंपनी के नतीजे आने के बाद इसके शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। खबर लिखे जाने तक मारुति सुजुकी इंडिया का शेयर ह्स्श्च पर 16,219 के आसपास ट्रेड कर रहा था।

लेंसकार्ट आईपीओ में पैसा लगाएं या नहीं, 7000 करोड़ का वैल्युएशन कितना सही, 6 एक्सपर्ट्स ने दी अपनी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। लेंसकार्ट का आईपीओ 31 अक्तूबर को खुलने के बाद पूरा सब्सक्राइब हो गया है। इस पब्लिक इश्यू का निवेशकों को लंबे समय से इंतजार था इसलिए पहले दिन ही निवेशकों ने इसमें जमकर पैसा लगाया। हालांकि, आईपीओ के वैल्युएशन को लेकर काफी सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में अगर आपने भी अभी तक इस सवाल को लेकर परेशान हैं, क्या आपको लेंसकार्ट के आईपीओ में पैसा लगाना चाहिए? इस मुद्दे पर कई मार्केट एक्सपर्ट्स ने अपनी राय जाहिर की है।

हालांकि, लेंसकार्ट के शेयरों का ग्रे मार्केट प्रीमियम 18 फीसदी है, ऐसे में कंपनी के स्टॉक 72 रुपये की बढ़त के साथ लिस्ट हो सकते हैं। हालांकि, जीएमपी सिर्फ संभावनाओं पर आधारित है।

लेंसकार्ट आईपीओ पर किस एक्सपर्ट ने क्या कहा- एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने अपने नोट में कहा कि लेंसकार्ट ने अपने आईवियर पोर्टफोलियो को वर्किंग और फैशनेबल, दोनों तरह के लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स के रूप में स्थापित किया है। खासतौर पर त्नद्गठ्ठ- और युवा, इस कंपनी के बड़े कंज्यूमर्स हैं। यह कंपनी भारत के साथ-साथ अब इंटरनेशनल मार्केट में भी अपना विस्तार कर रही है।

चॉइस ब्रोकिंग ने इस आईपीओ पर लॉन्ग टर्म मेंबर की रेटिंग दी है। इस ब्रोकरेज फर्म कहा कि यह इश्यू उन निवेशकों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी जोखिम उठाने की क्षमता ज़्यादा है और निवेश का नज़रिया लंबी अवधि का है।

हेम सिक्योरिटीज की एनालिस्ट आस्था जैन ने लेंसकार्ट के वैल्युएशन को स्थिर बताया है और कहा कि कंपनी ने अपनी ब्रांडिंग के लिए बहुत काम किया है और आगे चलकर इसके बेनेफिट उन्हें मिलेंगे।

जेपी एसोसिएट्स को खरीदने वाली कंपनी को 44 फीसदी का हुआ भारी नुकसान, इस बार कितना डिविडेंड देगी कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेपी एसोसिएट्स को खरीदने वाली कंपनी वेदांता को इस वित्तीय वर्ष में 44% का घाटा हुआ है। हालांकि, कंपनी अपने शेयरधारकों को 16 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड देगी। घाटे का कारण परिचालन लागत में वृद्धि और बाजार प्रतिस्पर्धा है। कंपनी भविष्य में लागत कम करने और बाजार में स्थिति मजबूत करने की योजना बना रही है।

वेदांता का रेवेन्यू 5.4% बढ़कर 39,868 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष 37,824 करोड़ रुपये था। एबिटा 14.9% बढ़कर 11,397 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष 9,918 करोड़ रुपये था। मार्जिन 26.2% से घटकर 28.6%हो गया। वही नेट प्रॉफिट 44% घटकर 1,798 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष 3,185 करोड़ रुपये था।

वेदांता का एल्युमीनियम बिजनेस का EBITDA 5,532 करोड़, तेल एवं गैस व्यवसाय का EBITDA 1,029 करोड़, जिंक इंटरनेशनल व्यवसाय का EBITDA 373 करोड़ रहा। वेदांता के Q2 रिजल्ट की घोषणा के बाद शेयर 2.1% गिरकर ?496.15 पर कारोबार कर रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मंत्रियों के बंगले और सरकारी कार्यालयों को तभी मिलेगी बिजली, जब करेंगे अग्रिम भुगतान

भोपाल। मंत्रियों के बंगले हों या सरकारी कार्यालय, यदि बिजली चाहिए तो अग्रिम भुगतान करना होगा। प्रदेश के सरकारी भवनों में अब प्री पेड मीटर लगाने पर बिजली तभी मिलेगी जब अग्रिम भुगतान कर रिचार्ज करवाया जाएगा। इसके लिए वल्लभ भवन मंत्रालय से लेकर तहसील स्तरीय सरकारी कार्यालयों तक में प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय से मिले दिशा-निर्देशों के अनुपालन में यह कार्य किया जा रहा है। पारदर्शी बिलिंग, मीटर रीडिंग प्रणाली में सुधार और सटीक ऊर्जा लेखांकन के लिए केंद्र सरकार की आरडीएसएस (पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना) अंतर्गत स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य किए जा रहे हैं। वितरण कंपनियों द्वारा संभाग, जिला व ब्लाक मुख्यालयों के शासकीय कार्यालयों में भी स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। योजनांतर्गत प्रदेश में 45,191 शासकीय कार्यालयों के विद्युत कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं, जिसमें से 18,177 कनेक्शनों पर प्रीपेड बिलिंग की सुविधा शुरू हो गई है। वल्लभ भवन, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के अलावा प्रीपेड स्मार्ट मीटर मंत्रियों के बंगलों में भी लगेंगे।

10 हजार रुपये का एक प्रीपेड स्मार्ट मीटर है। प्रदेश में कुल 55 लाख मीटर लगाए जाएंगे। इनमें घरेलू उपभोक्ता भी शामिल हैं। इस कार्य पर मप्र में 15 हजार करोड़ रुपये व्यय होंगे। इन प्रीपेड स्मार्ट मीटर से बिजली लेने के लिए मोबाइल की तरह पहले रिचार्ज करना होगा उसके बाद ही विद्युत सप्लाई मिलेगी। निकाय और पंचायतों में लंबित रहता है विद्युत बिल भुगतान

मप्र में कुल 413 नगर निकाय हैं। यहां छह -छह माह से विद्युत बिल भुगतान लंबित रहता है।

कई बार तो साल भर का विद्युत बिल भुगतान न होने पर विद्युत वितरण कंपनियों को निकायों को नोटिस जारी करना पड़ता है।

निकायों को विद्युत बिल भुगतान के लिए चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि दी जाती है, लेकिन समय पर राशि न मिलने से कई बार बिल भुगतान लंबित रहता है।

निकायों के अलावा पंचायतों की भी यही स्थिति है। अब अगर समय पर बिल भुगतान नहीं किया तो विद्युत प्रवाह रोक दिया जाएगा।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग, महिला बाल विकास विभाग एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का लगभग 800 करोड़ रुपये का बकाया है।

अन्य विभागों को मिलाकर कुल शासकीय विभाग का 1300 करोड़ रुपये का बिल भुगतान बकाया है।

20 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ धराया सरपंच, NOC देने के लिए मांग रहा था एक लाख रुपये

सिवनी। विशेष स्थापना संगठन लोकायुक्त दल जबलपुर ने जिले की ग्राम पंचायत धनौरा के सरपंच दिनेश कुमार पुत्र भवन सिंह कोरेती (42) को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए 31 अक्टूबर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित सरपंच द्वारा प्रार्थी के आबादी भूमि में बन रहे मकान में आपत्ति नहीं लगाने के बदले एक लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

बाद में 60 हजार रुपये में सौदा तय किया गया था, इसकी प्रथम किश्त के रूप में 20 हजार रुपये की रिश्वत फिरयादी राधेश्याम पुत्र असन लाल बंजारी (33) नायक कालोनी धनौरा निवासी द्वारा सरपंच के घर लेकर जाकर दी गई थी, जिसे सरपंच दिनेश कुमार कोरेती ने अपने पास रख लिया था।

20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा-लोकायुक्त एसपी अंजुलता पटले ने बताया कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध विभाग की लगातार जारी है। आवेदक राधेश्याम बंजारा द्वारा आबादी की जमीन पर मकान निर्माण शुरू किया था इसमें आरोपित सरपंच दिनेश कुमार ने आपत्ति नहीं लगाने के बदले प्रार्थी से एक लाख रुपये की मांग की थी। इसकी शिकायत प्रार्थी ने लोकायुक्त दल जबलपुर से की थी, शिकायत का सत्यापन करने के बाद 31 अक्टूबर को आरोपित दिनेश कुमार कोरेती को प्रथम किस्त के रूप में 20 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई

आरोपित के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन) 2018 की धारा-7,13(1)बी , 13(2) के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई में दल प्रभारी निरीक्षक राहुल गजभिए, निरीक्षक शशिकला, निरीक्षक जितेंद्र यादव व लोकायुक्त का स्टाफ शामिल रहा।

हाई कोर्ट में सरकारी नौकरी का सुनहरा मौका, इन पदों पर निकली भर्ती

हाई कोर्ट में सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, तो आपके लिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने नई भर्ती अनाउंस की है। कोर्ट ने डाटा प्रोसेसिंग असिस्टेंट परीक्षा-2025 के लिए 29 अक्टूबर से आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अभ्यर्थी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर इस पोस्ट के लिए 9 नवंबर तक फार्म भर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के जरिए एमपी हाई कोर्ट में खाली डाटा प्रोसेसिंग असिस्टेंट के 41 पद भरे जाएंगे।

हाई कोर्ट भर्ती के लिए योग्यता-आवेदकों के पास बीएससी, कंप्यूटर साइंस/बीएससी आइटी/बीसीए की डिग्री न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ या समकक्ष ग्रेड में होनी चाहिए। इसके साथ आपरेटिंग सिस्टम और ऑफिस एप्लिकेशन डाटा एंट्री में तीन साल का अनुभव होना भी जरूरी है। तभी आप इस भर्ती में फार्म भर सकेंगे। आयु सीमा

एक जनवरी 2025 को अभ्यर्थियों की उम्र कम से कम 18 वर्ष और अधिकतम 35 वर्ष तक हो। हालांकि ऊपरी उम्र में आरक्षित वर्ग से जुड़े उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट मिलेगी।

चयन प्रक्रिया ऑनलाइन प्रिलिमनरी स्क्रीनिंग एग्जामिनेशन, प्रैक्टिकल और इंटरव्यू के जरिए इस भर्ती में चयन किया जाएगा। इन सभी की तैयारी आप एआइ के जरिए भी कर सकते हैं। इसके लिए आपको एआइ सही से यूज में लाना सीखना होगा।

फीस-अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को 943 रुपये परीक्षा शुल्क के रूप में चुकाने होंगे। आरक्षित वर्ग और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए यह फीस 743 रुपये है।

मुस्लिम क्षेत्रों से हिन्दुओं का हो रहा पलायन, बेच रहे अपने घर और जमीन

जबलपुर। हिंदुओं के पलायन के चलते सागर में दो रहवासी कालोनियां मुस्लिम बाहुल्य बन गईं। प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए 'मुस्लिमों को घर बेचने पर' अघोषित रूप से रोक लगा दी है। प्रभावित मोहल्लों में संपत्ति का पंजीयन प्रशासन ने रोक दिया है। कुछ ऐसे ही हालात संस्कारधानी, जबलपुर के अधारताल क्षेत्र में भी बन रहे हैं। यहां हिंदू बाहुल्य व मिश्रित आबादी वाली बस्तियों से हिंदू परिवारों का प्रवासन तेजी से बढ़ा है।

एक बैंक कर्मी ने बताया कि अधारताल स्थित कालोनी में उसे अपना मकान छोड़कर किराए से रहने मजबूर होना पड़ा। घर के आसपास की तमाम संपत्ति मुस्लिमों ने खरीद ली। जिसके बाद वहां रहना असहज हो गया, लिहाजा दूसरी कालोनी में किराए से मकान लेना पड़ा। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, हिंदू सेवा परिषद आदि संगठनों ने इसे लैंड जिहाद का नाम देकर कई बार प्रशासन, पुलिस को ज्ञापन सौंपा परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधारताल क्षेत्र की कालोनियों, बस्तियों की ग्राउंड रिपोर्ट दी जाएगी, जहां तेजी से हिंदू क्षेत्र छोड़ रहे हैं।

लैंड जिहाद को ऐसे दे रहे अंजाम-इस संबंध में जब ने अधारताल-अमखेरा की टोह ली, जानकारी हासिल की तो पता चला समुदाय विशेष की हिंदू बाहुल्य क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करने उन जमीनों पर इनकी नजर होती है। जो कि नजूल की है, ये तहसीलदार व पटवारी से सेटिंग कर नजूल जमीन को हथिया रहे हैं। कटंगी बायपास, अमखेरा, अधारताल, गोहलपुर और आसपास ये बड़े स्तर पर सक्रिय हैं। अमखेरा में एक बड़े क्षेत्र इनके बस जाने के बाद आसपास के अनेक सनातनी परिवारों ने अपनी जमीन, मकान बेच दिए। जबकि कुछ अपने मकान बेचने के फ्लेक्स भी लगाए हैं।

दो साल रहने के बाद ही तंग आ गया परिवार जीसीएफ से रिटायर होने के बाद रमेश शर्मा (परिवर्तित नाम) ने अमखेरा बस्ती में जमीन लेकर घर बनाया था। 2020 में मकान बनाने के बाद वे करीब दो साल वहां रहे, जब उन्होंने समुदाय विशेष की बस्ती आसपास बढ़ती देखी तो एक अन्य परिचित को मकान बेचकर सिविल लाइन में शिफ्ट हो गए। नाम न छापने की शर्त पर उन्होंने बताया कि वर्ग विशेष के लोग दिन में असामाजिक कार्यों में सक्रिय तो रहते हैं रात में अन्य गतिविधियों को अंजाम देते हैं। जिसके कारण परिवार का कई बार रात्रि जागरण उन पर नजर रखने में बीत रहा था तो ऐसे में घर बेचना ही ठीक समझा।

अधारताल में खरीदा मकान, बनाया गोदाम-इसी तरह अधारताल के आनंद नगर क्षेत्र में भी एक हिंदु परिवार समुदाय विशेष के कारोबारी दखल से इतना ज्यादा परेशान हो गया उसने मकान बेचना ही मुनासिब समझा। करीब एक करोड़ रुपये में एक समुदाय विशेष के एक खरीददार से मकान का सौदा कर मकान बेच दिया। अब अधारताल आनंद नगर में उस मकान पर समुदाय विशेष द्वारा लंबा चौड़ा गोदाम बना लिया गया है। रहवासी क्षेत्र में कारोबारी गतिविधियां संचालित की जा रही है।

रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ाया अपर तहसीलदार

देवास। देवास तहसील कार्यालय में अपर तहसीलदार हर्षल बहरानी को उज्जैन EOW टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार अपर तहसीलदार हर्षल बहरानी ने फरियादी से तीन अलग-अलग भूमि मामलों के निराकरण के बदले रुपये की मांग की थी।

15 हजार लेते पकड़ाया अपर तहसीलदार

लगातार दबाव बनाए जाने के बाद शुक्रवार को 15 हजार रुपये में मामला तय हुआ, जिसकी शिकायत फरियादी किसान ताराचंद पटेल निवासी नागोरा ने 27 अक्टूबर को EOW से की। EOW उज्जैन की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद शुक्रवार को योजना बनाकर तहसील कार्यालय में दबिश दी और 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते ही अपर तहसीलदार को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

मिलावटखोरों के विरुद्ध इंदौर में लगातार चल रहे अभियान में फिर बड़ी कार्रवाई

बड़ी मात्रा में मिलावटी घी जप्त, प्रभुश्री ट्रेडर्स पर कार्रवाई

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने और मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के लिए इंदौर में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत इंदौर जिले में आज फिर बड़ी कार्रवाई की गई है।

इसी क्रम में आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अमले द्वारा मिलावट खोर के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। विभाग की टीम ने इंदौर के पल्हर नगर 60 फीट रोड स्थित एक मकान पर छापा मारा, जहाँ गिरिराज गुप्ता रहते हैं। बताया गया कि वे मल्हारगंज क्षेत्र में प्रभुश्री ट्रेडर्स के नाम से दुकान संचालित करते हैं।

निरीक्षण के दौरान मकान से बड़ी मात्रा में वनस्पति तेल, एसेंस और घी बरामद किया गया। साथ ही विभिन्न नामी ब्रांड सांची, अमूल, नोवा और मालवा के रैपर और आउटर कवर भी मिले, जिनका उपयोग उक्त व्यक्ति द्वारा अपने बनाए हुए घी को पैक करने में किया जाता था।

मौके से खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने 6 नमूने (घी, तेल और एसेंस) के लिए हैं। कार्रवाई में कुल 27 डिब्बे वनस्पति, 13 डिब्बे तेल, 3 डिब्बे घी, 5 बोतल एसेंस और लगभग 350 रैपर जब्त किए गए हैं। संबंधित आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य अधिकारी श्री मनीष स्वामी ने बताया कि कार्रवाई के दौरान घी निर्माता का परिसर बंद कराया गया। कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा उक्त परिसर का निरीक्षण किया गया, उक्त स्थान पर घी का निर्माण एवं पैक किया जा रहा था। उक्त परिसर पर सांची, अमूल, नोवा एवं मालवा ब्रांड के नाम से पैकिंग की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान लिए गए विभिन्न ब्रांड के एवं संग्रहित लूज घी के नमूनों को विस्तृत जांच हेतु राज्य का परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जा रहा है। उक्त संस्थान से लगभग 600 लीटर घी,तेल जप्त किया गया है । घटनास्थल पर अमूल, साँची, नोवा और मालवा घी के खाली रैपर मिले हैं। संबंधित विक्रेता द्वारा अनाधिकृत रूप से उन कंपनियों के पैकेट खुद पैक किया जाना प्रतीत होता है। उक्त सभी कंपनियों को भी सूचित किया जा रहा है ताकि संबंधित कंपनियां भी अपने स्तर पर वैधानिक कार्रवाई कर सके।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मिलावटखोरी के विरुद्ध इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

ओंकारेश्वर को जल्द ही अभ्यारण्य की सौगात मिलेगी - मुख्यमंत्री

इंदौर। इंदौर संभाग को जल्द ही एक अभ्यारण्य की सौगात मिल सकती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को खण्डवा जिले के नर्मदानगर (पुनासा) में वन विहार भोपाल से लाये गये 6 मगरमच्छों को मां नर्मदा नदी के सलिल जल में स्वच्छंद छोड़ा। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि ओंकारेश्वर को जल्द ही अभ्यारण्य की सौगात मिलेगी। शीघ्र ही यहां अभ्यारण्य बनाने की घोषणा की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वन विभाग के अधिकारियों से अभ्यारण्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जल, थल एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां सभी प्रकार के जलचर, थलचर, नभचर सभी जीव स्वच्छंद रूप से अपना जीवन यापन करते हैं। जीवों के लिए मध्यप्रदेश की भूमि अनुकुल है। उन्होंने बताया कि एक समय चीता पूरे एशिया में गायब हो गया था। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों में वर्ष 2022 में चीतों के पुनर्स्थापना का प्रयास किया गया।

केसर में सजे केसरी नंदन... दर्शनों कतार

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र में वीर अलीजा सरकार का दरबार खूब सजा। 1 किलो केसर श्रृंगार में सजे अलिजा सरकार के मनमोहक दर्शन पाने के लिए सुबह से देर रात तक भक्तों की कतार लगी रही, 4 तक तकरीबन 70000 श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कतारबद्ध होकर कर लिए थे, मंदिर में भव्य फूल बंगला पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ ही पशु प्रेम भी प्रदर्शित कर रहा था।

गादीपति ब्रह्मचारी पवनानंद महाराज ने बताया कि बुधवार सुबह 21 प्रकार की विभिन्न औषधीय, फ़लो का रस और इत्र से अभिषेक किया गया मंदिर परिसर में दो दिनों से सामूहिक सुंदरकांड ,हनुमान चालीसा, राम

नाम कीर्तन का जाप चल रहा था गुरुवार सुबह 1 किलो केसर से केसरी नंदन का दिव्याश्रृंगार किया गया। पर्यावरण संरक्षण और पशु प्रेम की थीम पर 30 बाय 200 फिट का भव्य हाल सजाए गया, चंपा चमेली गेंदा गुलाब की महक मंदिर परिसर से दूर तक महक रही थी। मंदिर परिसर में हाथी जेब्रा हिरण की प्रतिकृतियां भी जंगल थीम को प्रदर्शित कर रही थी। श्रद्धालुओं को प्रकृति से प्रेम करने के साथ ही संरक्षण का संदेश दिया गया आह्वान किया गया कि एक पेड़ एक परिवार लगाएगा तो आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ हवा में सांसे लेने के लिए सुलभ होगा। सुबह 9 बजे सुंदरकांड की चौपाइयों के साथ यज्ञ हवन में आहुतियां का दौर चला जो दोपहर 12-30 बजे तक जारी रहा। शाम 5 बजे भव्य महा आरती की गई जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों की मौजूदगी रही इसके बाद शहर के प्रमुख 21 मंदिरों में विभिन्न प्रकार के व्यंजन का भोग लगाया गया, शाम 6 बजे से महाप्रसादी का क्रम शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा।

भोजन व्यवस्था में 2000 सेवादार... श्रद्धालु बोले व्यवस्था उत्तम, पहले कभी नहीं देखी- शाम 6-00 बजे शुरू हुआ अन्नकूट आधी रात तक जारी रहा, 2000 से ज्यादा सेवादार इस अनापुर में सेवाएं दे रहे थे, भक्तों के लिए कालीन बिछाया गया था जिसके ऊपर बैठक व्यवस्था मेंर्शोर्ट टेबल रखी थी, एक बार में 3000 से ज्यादा श्रद्धालु भोजन कर रहे थे और हर कोई यही कह रहा था कि बहुत ही उत्तम व्यवस्था रही कोईभी दिक्कत नहीं रही राम बाजी नुक्ति पेठा पूरी सेव सबके पास बड़ी-बड़ी से पहुंच रही थी।

मानवता की मिसाल बने, देह दानी जोशी को पुलिस जवानों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

इंदौर। बड़वानी में अगर जोशी परिवार की आंखों में आंसू थे तो उनके मोहल्ले से लेकर शहर की गलियों में जोशी के देहदान का संकल्प लेने और उसे पूरा करने वाले उनके परिजनों के प्रति रहवासियों के गमजदा चेहरों पर कृतज्ञता से लेकर शोक संतृप्त भाव के साथ सराहना मौजूद थी।

लगभग 76 वर्षीय देहदानी प्रवीण जोशी की दान की देह से मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट्स कई सालों तक चिकित्सा की स्टडी कर सकेंगे। मृत देह की सरंचना से शारीरिक विज्ञान का अध्ययन कर डाक्टर बन कर भविष्य में हजारों मरीजों का इलाज कर सकेंगे।

इसी वजह से सरकार ने मानव धर्म की सेवा करने वाले देहदान को सर्वश्रेष्ठ दान मान कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार ने देहदानी को राजकीय सम्मान देने के लिए गार्ड ऑफ ऑनर देने का फैसला लिया है।

नगरीय क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता - मंत्री श्री विजयवर्गीय

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दे रही है। इस कार्य में केन्द्र सरकार से निरंतर आर्थिक मदद मिल रही है। मंत्री श्री विजयवर्गीय बुधवार को देवास जिले के सोनकच्छ में 17 करोड़ 54 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इन कार्यों में जल जीवन मिशन अंतर्गत नल जल योजना, पानी की टंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भवन और रेस्ट हाउस पहुंच मार्ग के कार्य शामिल हैं?। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने सवा करोड़ रूपये की लागत के शाला भवन और 3 करोड़ 7 लाख रूपये की राशि से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण किया।

विधायक सोनकच्छ डॉ. राजेश सोनकर ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निर्माण एजेंसी को तय समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिये गये हैं। कार्यक्रम में अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शोक संवेदना- मंत्री श्री विजयवर्गीय ने ग्राम संवरसी में शहीद संजय मीणा के घर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और परिजन से चर्चा की।

मंत्री श्री सिलावट ने सांवेर मंडी का किया निरीक्षण- किसानों से की चर्चा

इंदौर। प्रदेश सरकार की भावांतर भुगतान योजना के तहत मंडियों में सोयाबीन की खरीदी प्रक्रिया जारी है। गुरुवार को सांवेर विधायक एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कृषि उपज मंडी सांवेर का निरीक्षण किया। इस दौरान मंडी सचिव रमेशचंद्र शारदीया भी मौजूद थे। मंत्री सिलावट ने मंडी परिसर में किसानों से चर्चा कर खरीदी की स्थिति जानी और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मंडी में पानी, सफाई, भोजन व्यवस्था, तौल कांटा, कृषक विश्राम भवन सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री सिलावट ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भावांतर योजना से किसानों को उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने मंडी में उपलब्ध 5 रुपए प्रति थाली वाली भोजन व्यवस्था का स्वाद लेते हुए जनप्रतिनिधियों के साथ भोजन भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के हर प्रयास को जमीनी स्तर तक लागू करने के लिए कटिबद्ध है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

निगम अध्यक्ष कलावत्ती यादव की अध्यक्षता में आयोजित विशेष सम्मिलन में कार्यसूची के समस्त 14 प्रस्तावों को दी गई सर्वानुमति से स्वीकृति

आत्म निर्भर भारत संकल्प एवं नेक्ट जन जीएसटी रिफार्म के समर्थन में सर्वानुमति से केन्द्र सरकार के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित

उज्जैन। शुक्रवार को निगम का मा. विशेष सम्मिलन निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव की अध्यक्षता एवं महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा एवं पार्षदगणों की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

सम्मिलन में कार्य सूची के प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया- कार्यसूचि के प्रस्ताव क्र. 1 से 8 को दिनांक 30.10.2025 को आयोजित विशेष सम्मिलन में स्वीकृति प्रदान की गई।

सीसीआईआईएस 2.0 अन्तर्गत मेचिंग ग्रांट प्रदान किये जाने की सक्षम स्वीकृति के सम्बंध में प्रस्तुत प्रस्वात को स्वीकृति प्रदान की गई।

यूसीटीएसएल में कार्यरत कर्मचारियों को उज्जैन नगर निगम से वेतन भुगतान किये जाने के सम्बंध प्रस्तुत प्रस्ताव को पूरक प्रस्ताव के अनुसार सदन की सर्वानुमति से स्वीकृति प्रदान की गई।

वाटर सप्लाय वर्कस फॉर उज्जैन सिंहस्थ 2028 कार्य की दरों की स्वीकृति के सम्बंध में प्रस्तुत प्रस्ताव को एमआईसी के ठहराव के क्रम में सर्वानुमति से स्वीकृति प्रदान की गई।

जनसम्पर्क विभाग की विभिन्न मदों में पुर्नविनियोजन किये जाने के सम्बंध में प्रस्तुत प्रस्ताव को अधिकृत अध्यक्ष श्रीमती नीलम राजा कालरा द्वारा सर्वानुमति से स्वीकृति प्रदान की गई।

आत्म निर्भर भारत संकल्प हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अन्तर्गत सर्वानुमति से केन्द्र सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। केन्द्र सरकार द्वारा ne&t-Gen GST Reforms के समर्थन में हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अन्तर्गत सर्वानुमति से केन्द्र सरकार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया।सम्मिलन में नेता प्रतिपक्ष श्री रविराय, एमआईसी सदस्य श्री शिवेन्द्र तिवारी, श्री रजत मेहता, श्री प्रकाश शर्मा, डॉ योगेश्वरी राठौर, श्री सत्यनारायण चौहान, श्री अनिल गुप्ता, झोन अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र मेहर, श्री सुशील श्रीवासपार्षद श्री गब्बर भाटी, श्रीमती नीलम राजा कालरा, श्री राजेन्द्र कुंवाल, श्रीमती सपना सांखला, श्रीमती माया राजेश त्रिवेद्वी, श्रीमती प्रेमलता रामी सहित अन्य पार्षदगणों द्वारा चर्चा में भाग लिया गया।

मेढ़ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार पंचायत न्यास का दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव सम्पन्न

उज्जैन। आंवला नवमी पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मेढ़ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार पंचायत न्यास उज्जैन द्वारा अध्यक्ष अरविंद वर्मा के नेतृत्व में अंकपात स्थित वैदेही गार्डन में अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अन्नकूट महोत्सव के दौरान रंगोली, चेअर रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। यहां समाज की महिलाओं एवं युवतियों ने विभिन्न तरह की आकर्षक रंगोलिया बनाई। साथ ही चैयर रेस सहित अन्य प्रतियोगिता आयोजित की गई।

रंगोली प्रतियोगिता का समाज के अध्यक्ष अरविंद वर्मा एवं समाज जनों ने जज की भूमिका निभाते हुए अवलोकन किया। अन्नकूट महोत्सव के दौरान माता अंबे एवं पित्र पुरुष अज़मीढ महाराज को 56 पकवानों का भोग लगाकर महाआरती सम्पन्न की गई। मंचीय कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर की गई। यहां समाज अध्यक्ष अरविंद वर्मा, महिला अध्यक्ष मनोरमा मौसुण, आशीष दसनिया एवं समाजजन का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को उपहार देकर पुरुस्कृत किया। इस अवसर पर कृष्ण भवण, सचिव आनंदीलाल सोनी, कोषाध्यक्ष मोहनलाल आर्य, आशीष दसानिया, राजेश मोसुन, हरीश रोड़, देवेंद्र रुगरेचा, गजेंद्र देवाल, विजय कुकरा, मनोरम मौसूण, शोभा सोनी, तारा सोलिवाल, रतना अगोरया, भावना रोड़ा, भावना भामा, चन्द्रकान्ता सरडीवाल, गजेंद्र देवाल, उमाशंकर जंगलवा, शशिकांत रोड़ा, राजेश रोड़ा, हरीश रोडा, आशीष साड़ीवाल सहित समाजजन उपस्थित रहे।

वीर हनुमान को आज लगेगा अन्नकूट स्वर्ण श्रृंगार के दिव्य दर्शन, महाआरती

उज्जैन। महाकाल वन कार्तिकचौक स्थित स्वयं-भू प्राचीन दक्षिणमुखी श्री वीर हनुमान मंदिर पर देव उठनी एकादशी पर्व पर शनिवार को अन्नकूट महोत्सव मनाया जाएगा। इस अवसर पर भगवान के दिव्य स्वर्ण श्रृंगार दर्शन होंगे।

श्री वीर हनुमान मंदिर के पुजारी पंडित जस्सू गुरु महाराज, पुजारी नीलेश गुरु, पुजारी कृष्णा गुरु ने बताया कि शाम 6 से रात 9 बजे तक श्रृंगार व अन्नकूट झांकी के दर्शन होंगे। मंदिर में फूलों व रंगीन वस्त्रों की सजावट की जाएगी। शाम 7.30 बजे पूजन व ढोल-ढमाकों के साथ महाआरती की जाएगी।

लोकोपायलट, सहायक लोकोपायलटों के स्थानांतरण के आदेश वापस लेने की मांग

उज्जैन। विगत दिनों रेल मंडल प्रबन्धक महोदय रतलाम द्वारा एक तानाशाही आदेश निकाला गया, जिसमें रतलाम मण्डल के 40 लोकोपायलट/सहायक लोकोपायलटों का स्थानान्तरण पालनपुर लॉबी में करने का उल्लेख है, जबकी रतलाम मण्डल स्वयं लोको पायलट और सहायक लोकोपायलट की भयंकर कमी से जूझ रहा है। रतलाम मंडल के रनिंग स्टाफ को न समय पर छुट्टी मिल रही है ना ही रेस्ट और प्रमोशन भी लम्बित है। इसी तारतम्य में अलारसा उज्जैन शाखा द्वारा 29 अक्टूबर को मंडल रेल प्रबंधक के नाम ज्ञापन देकर यह अनुरोध किया कि उक्त काले आदेश को तुरंत प्रभाव से वापिस लिया जावे।

इस अवसर पर अलारसा मण्डल अध्यक्ष मुबारिक हुसैन, शाखा अध्यक्ष रूपनारायण यादव, कार्य.अध्यक्ष सुनील मीणा, मजदूर संघ शाखा सचिव नरेंद्र सहगल, महेंद्र सैनी, मुकेश वर्मा, गुलशेर कुरेशी, सावन मीणा, जगदीश मालवीय, संजीव पाल, रामावतार मंडीवाल, धर्मेंद्र मीणा, मस्तराम मीणा, मनीष बुनकर, विश्राम मीणा, जितेंद्र सिसोदिया, मुकेश चौकीकर, राहुल दिव्वेदी, योगेश चावला, जितेंद्र तेजरा, विपिन मिश्रा, अन्दरसिंह मीणा, नन्दकिशोर मीणा, सिद्दीक नागोरी, समरेश खराटे और कई संख्या में लोकोपायलट/सहायक लोकोपायलट उपस्थित रहे।

2 नवंबर को प्रारंभ होगी उद्गम से संगम पर्यंत संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा

त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा निकली जाने वाली यात्रा का समापन 5 नवंबर को एक दिया शिप्रा के नाम अभियान के साथ होगा

उज्जैन। महामंडलेश्वर श्री शैलेश आनंद गिरि जी जूना अखाड़ा एवं महामंडलेश्वर श्री ज्ञान दास जी निर्मोही अखाड़ा दादू दयाल आश्रम के मार्गदर्शन में त्रिशूल शिवगण वाहिनी द्वारा उद्गम से संगम पर्यंत संपूर्ण शिप्रा प्रदक्षिणा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। प्रदक्षिणा यात्रा 2 नवम्बर को प्रातः 8 बजे रामघाट मुख्य आरती द्वार उज्जैन से प्रारम्भ होकर 5 नवम्बर को सायं 5 बजे के उपरांत रामघाट पर ही ÷एक दिया शिप्रा के नाम÷ अभियान के साथ सम्पन्न होगी।

यह जानकारी त्रिशूल शिवगण वाहिनी के संस्थापकगण आदित्य नागर पूर्व अपर आयुक्त नगर निगम एवं सुरेन्द्र चतुर्वेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज ने पत्रकारवार्ता के दौरान दी। प्रेस वार्ता में त्रिशूल शिवगण वाहिनी के पदाधिकारी पंडित शैलेंद्र द्विवेदी, रमाकांत शर्मा, दिनेश रावल, योगेश शर्मा, रामगोपाल शर्मा, शैलेश दुबे, विनय कुमार ओझा, यश जोशी, गौरव उपाध्याय, एसएन उपाध्याय, ऐश्वर्या नागर, किरणकांत मेहता, हेमंत व्यास प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आपने बताया कि शिप्रा प्रदक्षिणा का उद्देश्य पवित्र पावनी शिप्रा नदी को उसके पौराणिक स्वरुप में लौटाने और उसे निर्मल करने के लिए जनजागरण करना और आम नागरिकों को जल संवर्धन के प्रेरित करना है। उन्होने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा शिप्रा के लिए किये गए कार्य को आगे बढाया जाकर शासन को जनता का सहयोग दिलाना भी संस्था का उद्देश्य है।

यात्रा की जानकारी देते हुए संस्थापकगण ने बताया कि यात्रा दिनांक 2 नवम्बर को मुख्य आरती द्वार रामघाट से प्रातः 8 बजे प्रारम्भ होगी जिसमें आशीर्वाद दाता श्रीमहंत पीर सुन्दरपुरीजी महाराज, जूना अखाडा (दत्त अखाड़ा घाट), जगद्गुरु श्री श्रीकांताचार्यजी, तिरुपति धाम, श्री रंगनाथाचार्य जी अवंतिका पीठाधीश्वर रामानुज कोट, महंतश्री रामेश्वरदास जी महाराज अध्यक्ष स्थानीय अखाडा परिषद, महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद जी संस्थापक चार धाम आश्रम, महामंडलेश्वर श्री अतुलेषानंद सरस्वती, महामंडलेश्वर भागवातानंद गिरी भगवान बापू, निरंजनीअखाड़ा, महामंडलेश्वर धर्मेन्द्र गिरीजी, जूनाअखाड़ा, केवड़ेश्वरमहाकाल आश्रम, शिप्रा उद्गम, महामंडलेश्वर थी प्रेमानंद जी, महामंडलेश्वर श्री मनीष दास जी, ददुआ आश्रम, श्री वीतरागानंद जी सरस्वती दंडी स्वामी संस्थापक उपनिषद आश्रम, महामंडलेश्वर श्री नरसिंह दास जी, मांडव पीठ, सहित संत समाज के महामंडलेश्वर, पीठाधीश्वर, संत, महंत, धर्मगुरुओं का सानिध्य रहेगा, साथ ही समय-समय पर आमंत्रित विशिष्ट धर्मगुरुओं की भी उपस्थिति रहेगी। प्रदक्षिणा के दौरान विभिन्न पड़ाव स्थलों पर ÷सनातन पंचायत÷ के माध्यम से धर्म चेतना सभा आयोजित की जावेगी।

संस्थापक आदित्य नागर ने विस्तृत कार्यक्रम देते हुए बताया कि प्रदक्षिणा यात्रा में 100 से अधिक यात्री सम्मिलित होंगे। यात्रा 2 नवम्बर को ग्राम बोलासा, शिप्रा, दकनाखेडी होती हुई मुंडला दोसर शिप्रा उद्गम पर पहुंचेगी जहां रात्री विश्राम होगा। 3 नवम्बर को शिप्रा उद्गम से सिमरोड होते हुए दत्त अखाडे पर पहुंचेगी।

कर्मचारी कल्याण कोष का दीपावली मिलन समारोह व सह बैठक 2 नवंबर को

उज्जैन। पीएमयूएम शिक्षक संघ द्वारा संचालित कर्मचारी कल्याण कोष योजना दिवंगत होने वाले शिक्षकों के परिवार को 25 लाख तक का सहयोग प्रदान कर रही है उसकी व्यापकता और शिक्षकों, कर्मचारियों तक इस योजना को पहुंचाने के लिए प्रांत अध्यक्ष मुरली मनोहर अरजरिया के आह्वान व संस्थापक सतीश खरे के मार्गदर्शन में प्रदेश के प्रत्येक जिले में दीपावली मिलन समारोह सह बैठक का आयोजन किया जा रहा है।

जिला अध्यक्ष बंशीलाल सोनी ने बताया कि प्रभारी प्रांतीय वरिष्ठ सचिव रूपसिंह चौहान की उपस्थिति में उज्जैन दीपावली मिलन समारोह सह बैठक का आयोजन माता मंदिर दशहरा मैदान में दोपहर 1 बजे रविवार को किया जाएगा। ब्लाक अध्यक्ष अमृत केलकर ने कहा कि बैठक में कल्याण कोष की अनिवार्यता और व्यापकता पर चर्चा के साथ स्थानीय ज्वलंत मुद्दों, ई-अटेंडेंस आदि पर चर्चा कर उनके स्थायी समाधान पर चर्चा की जायेगी। साथ ही शिक्षा विभाग व आदिमजाती कल्याण विभाग के शिक्षा क्षेत्र के सभी कर्मचारी अधिकारी एवं भृत्य को योजना के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह जानकारी प्रवक्ता शहजाद खान ने दी।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हेतु घट्टिया विधानसभा के बीएलओ/बीएलओ सुपरवाइजर का प्रशिक्षण संपन्न

उज्जैन। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) हेतु घट्टिया विधानसभा के 280 बीएलओ/बीएलओ सुपरवाइजर का प्रशिक्षण जनपद सभागृह उज्जैन में संपन्न हुआ। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी राजाराम करजरे के आदेशानुसार प्रशिक्षण सुबह 11 से दोपहर 2 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक दो चरणों में आयोजित किया गया। मुख्य मास्टर ट्रेनर दशरथ सिंह गोयल संग अपूर्व शर्मा, किशोर हीरावत, दीपेंद्र तिवारी एवं दिलशाद कुरैशी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करते हुए बताया गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com